दो झीलों को किया जा रहा है पुनर्जीवित, भूजल स्तर में होगा सुधार

बुराड़ी में फिर से झीलों के किनारे ले सकेंगे प्राकृतिक सौंदर्य का मजा

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

विकसित होकर बुराड़ी की झील कंक्रीट के शहर में कराएगी सुकून का अहसास

दिल्ली को झीलों का शहर वनाने की योजना के पहले चरण में दिल्ली सरकार 250 जलाशयों और 23 झीलों को पुनर्जीवित कर रही है। मंगलवार को दिल्ली के जल मंत्री और दिल्ली जल वोर्ड के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने वुराड़ी में पुनर्जीवित की जा रही दो झीलों के कामों का जायजा लिया। जैन ने अधिकारियों से वुराड़ी की दोनों झीलों को आसपास के लोगों के लिए सुरक्षित स्थान के रूप में विकसित करने के आदेश दिए, ताकि यहां पर्यटक गर्मी से राहत के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद भी ले सकें।

जैन ने कहा कि कई झीलों और जलाशयों को मनोरंजक और सुरक्षित स्थल के तौर पर विकसित किया जा रहा है। झीलों और जलाशयों के पुनर्जीवित होने से राजधानी की वायोडायवर्सिटी में भी सुधार होगा और आसपास के भूजल स्तर में भी सुधार आएगा। एक तय भूजल स्तर पर उस पानी का इस्तेमाल पानी की डिमांड और सप्लाई के अंतर को कम करने में किया जाएगा। दिल्ली की सभी झीलों और जलाशयों को विकसित करने के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है, ताकि इनके सौंदर्यीकरण के साथ ग्राउंड वॉटर को रिचार्ज करने में भी मदद मिल सके। वुराड़ी के सत्य विहार स्थित झील राजधानी में पुनर्जीवित होने वाली 23 झीलों में से एक है। इस झील का क्षेत्रफल 13371 वर्ग मीटर है। पहले आसपास के लोग इस झील को डंपिंग साइट के रूप में इस्तेमाल करने लगे थे और आसपास की निकासी का गंदा पानी झील में गिर रहा था।

> जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने बुराड़ी में दोनों झीलों के पुनर्विकास के कामों का लिया जायजा

यह झील कंक्रीट के शहर में जन्नत सा अहसास कराएगी। साफ आवोहवा के साथ आसपास के लोगों को काफी राहत मिलेगी। सत्य विहार स्थित झील में कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड वनाए गए हैं। इनके माध्यम से सीवेज, एक स्क्रीन चैंवर से होते हुए सेटलिंग टैंक में जाता है। फिर कंक्रीट की लेयर्स पर लगे पौधों से गुजरते और फिल्टर होते हुए आगे वढ़ता है। इसके वाद ट्रीटेड वॉटर टैंकर में एकत्रित होता है और इस पानी को आखिर में झील में डाला जाता है। वुराड़ी में लक्ष्मी विहार स्थित एक्सटेंशन कॉलोनी के पास विकसित की जा रही झील करीव 6500 वर्ग मीटर में फैली है। यहां से पहले मोहल्ले का सीवेज गुजरता था। अव झील को जीवंत करने के लिए दिल्ली सरकार फ्लोटिंग राफ्टर्स तकनीक के माध्यम से सीवेज वॉटर का ट्रीटमेंट कर रही है। झील में फ्लोटिंग राफ्टर लगाए गए है। इन फ्लोटिंग राफ्टर पर ऐसे पौधे लगे हैं, जो पानी से प्रदूषकों को प्राकृतिक तरीके से साफ करने में मदद करते हैं। यानि इनकी जड़ें फिल्टर की तरह काम करती हैं। ये पौधे न सिर्फ प्रदूषण को सोखने की क्षमता रखते हैं, वल्कि जल और वायु प्रदूषण भी कम करते हैं। ये वड़े पेड़-पौधे की तरह हवा में घुले प्रदूषक तत्वों को सोखते हैं। इसके अलावा फ्लोटिंग वेटलैंड से पानी में अच्छे माइक्रोव भी घुल जाते हैं।